10th Year OF CIMS

Price ₹ 5/-

हृदय और धड़कन

वर्ष-11, अंक-121, जनवरी 20, 2020

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056	डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848	डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130	डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266	डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664		

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
		डॉ. दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980

कार्डियाक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. अमित चंदन	+91-96990 84097

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700

कार्डियाक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

हृदयरोग के निदान के लिए किए जाने वाले परीक्षण

हृदयरोग के निदान के लिए कई तरह की जांच की जाती है। हृदयरोग के निदान के लिए महत्वपूर्ण परीक्षण :

- छाती का एक्स - रे
- इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम
- एक्सरसाईज स्ट्रेस टेस्ट (ट्रेडमिल टेस्ट)
- ईकोकार्डियोग्राम
  - ट्रान्स-थॉरेसिक इको (टी.टी.ई.)
  - डॉब्युटेमाइन स्ट्रेस इको (डी.एस.ई.)
  - ट्रान्स- इसोफॉजियल इको (टी.ई.ई.)
  - रंगीन डॉप्लर (कलर डॉप्लर)
- होल्टर मॉनिटर
- रेडियोआईसोटोप स्ट्रेस टेस्ट (थेलियम टेस्ट)
- कार्डियक केथोटराइजेशन या कोरोनरी एन्जियोग्राफी
- कोम्प्यूटराइज्ड टोमोग्राफिक एन्जियोग्राफी स्केन (सी.टी. एन्जियो)

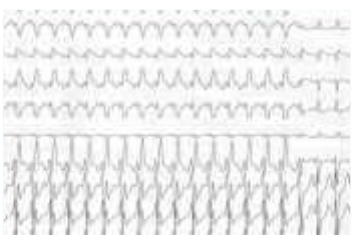

छाती का एक्स-रे

छाती का एक्स - रे हृदय की स्थिति व आकार के निर्धारण करने में उपयोगी है। एक्स रे की किरणों के द्वारा हृदय तथा फेंफड़ो के छाया चित्र देखकर निदान किया जाता है।

आपकी छाती का एक्स रे निम्न वस्तुएं दिखाता है :

- हृदय का आकार
- आपके फेंफड़ों में भरा द्रव्य
- हृदय का फेल होना या उसके आस-पास द्रव्य के भराव के चिन्ह

एक्स-रे : हृदय की जांच में अभी भी उपयोगी

इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ई.सी.जी.)

हृदय स्वयं के अंदर बिजली की तरंगे उत्पन्न करता है। इन तरंगो के कारण हृदय धड़कता है। बिजली संलग्न इस क्रिया को इ.सी.जी. (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम) के द्वारा नापा जा सकता है।

इ.सी.जी. (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम या इ.के.जी.) हृदय की विद्युत प्रक्रिया का रेकोर्डिंग है, हृदय की हर धड़कन विद्युत स्पंदन से शुरु होती है जिससे हृदय संकुचित होता है। इस विद्युत प्रवाह को कागज पर रेखांकित किया जाता है जिसे इ.सी.जी. कहते हैं।

इसीजी मशीन : एक सस्ती व महत्वपूर्ण जांच

इ.सी.जी. हमारे हृदय में हार्ट अटेक से हुआ नुकसान और उसके पहले की घटनाएं (जैसे कि हृदयरोग का हमला) हृदय की धड़कनें और हृदय की गति की अनियमितता के मूल्यांकन में मदद करता है। हृदयरोग के हमले के कुछ घंटे पूर्व के इ.सी.जी. में हुए परिवर्तन इतने महत्त्वपूर्ण होते हैं कि उनको समझने के लिए हृदयरोग के हमले वाले रोगी के रोगी के इ.सी.जी को सतत निगरानी में रखा जाता है।

इ.सी.जी. की रिपोर्ट और रक्त की जांच में स्थिरता को देखकर ही डॉक्टर रोगी अब खतरे के बाहर हैं, और उसको इन्टेन्सिव केयर युनिट के बाहर लाया जा सकता है, यह निश्चित करते हैं।

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

एक्सरसाईज स्ट्रेस टेस्ट (ट्रेडमिल टेस्ट)

इसे टी.एम.टी. भी कहा जाता है। टी.एम.टी. का यंत्र मतलब कॉम्प्यूटर के साथ जुड़ा हुआ अत्याधुनिक इ.सी.जी. मशीन और इसके साथ में गोल घूमता हुआ चलने का पट्टा।

कई लोगों के हृदयरोग से पीड़ित होते हुए भी उनकी इ.सी.जी. रिपोर्ट अच्छी आती है, और उनमें हृदयरोग का सही अंदाजा नहीं हो पाता है।

ऐसे केसो में उनको घूमती हुई पट्टी पर चलाकर या दौड़ा कर कसरत करवाने के बाद उनका इ.सी.जी. लिया जाता है। कसरत के बाद सिंकुरी हुई धमनियो में रक्त कम पहुंचता है तो इ.सी.जी. में वह दिखता है और रोग का निदान सरलता से किया जा सकता है।

जांच करने के पहले रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम भी रिकोर्ड किये जाते हैं।

ट्रेडमील टेस्ट

जांच की प्रारंभिक अवस्था में चलनेवाला पट्टा धीरे घूमता है, और धीमे चलता है। धीरे - धीरे पट्टे के घूमने की रफ्तार बढ़ती है, और ढाल ऊंचा होता जाता है। आपको ज्यादा तेज और उपर उठते हुए ढाल पर चलना पड़ता है जिससे हृदय के ऊपर पड़ने वाले जोर की मात्रा भी बढ़ती जाती है। इसके साथ - साथ इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम व रक्तचाप का रिकोर्डिंग होता रहता है।

चलते - चलते ज्यों - ज्यों आपकी तेजी बढ़ती है त्यों - त्यों दिल कि धड़कने की गति भी बढ़ती जाती है,और रक्त का दबाव भी बढ़ता जाता है। अगर आपको एन्जायना है, तो इस तरह तेजी से घूमते हुए व ऊंची ढाल वाले पट्टे के उपर चलने की कसरत करते समय लिए हुए इ.सी.जी. में एन्जायना के लक्षण नजर आ जाते हैं।

ट्रेडमिल पर चलते हुए अगर छाती में दर्द या घबराहट होने लगती है तो, जांच तुरंत रोक दी जाती है। हर ट्रेडमिल टेस्ट के समय विशेषज्ञ डॉक्टर तथा इलाज के उपकरण पास मे होने अत्यंत आवश्यक हैं जिससे एन्जायना का इलाज तुरंत शुरु किया जा सके।

टी.एम.टी. हृदय की स्थिति जानने वाली एक सुरक्षित व साधारण सी जांच है, और इसकी विशेषता यह है कि इसमे साधारण इ.सी.जी. में नहीं दिखने वाले हृदयरोग भी पकड़ में आ जाते हैं।

अगर किसी कारणवश रोगी चल नहीं सके तो ट्रेडमिल टेस्ट नहीं किया जा सकता है, जैसे कि मोटापा, घुटने में दर्द, सांस की बिमारी, खूब ज्यादा रक्तचाप, हृदय के वाल्व की बिमारी इत्यादि रोगों से पीड़ित रोगी टी.एम.टी. सहन नहीं कर सकते हैं। ऐसे मरीजों के लिए डोब्यूटामाइन स्ट्रेस इको या थेलियम टेस्ट किए जातें हैं। ४० वर्ष की उम्र के बाद हर २ साल में नियमित जांच के रूप में टी.एम.टी. करवाना चाहिए।

एक प्रौढ़ आयु का युगल डॉक्टर को अस्पताल में मिलने आया, 'हमे तुरंत एन्जियोग्राफी करवानी है आप सुन्न करने का इन्जेकशन नही देंगे तो चलेगा, क्योंकि हमे बहुत जल्दी है।' पत्नी ने कहा। डॉक्टर उनकी बहादुरी से प्रभावित हुआ। सादा इन्जेक्शन लेते हुए लोग घबराते हैं जबकी यह महिला एन्जियोग्राफी के लिए तैयार थीं। 'आप बहुत हिम्मत वाली हैं ! जाईये उस टेबल पर सो जांए।'

उस महिला ने अपने पति से कहा 'सुनते हो? जल्दी जाओ और उस टेबल पर सो जाओ।'

'डॉक्टर साहब, इमर्जेनसी है। मेरा लड़का पेन्सिल खा गया है।'

'चिंता मत कीजिए मैं २० मिनट में आपके यहां पहुंचता हूं।'

'पर डॉक्टर तब तक मैं क्या करूं?'

'अरे भाई तब तक बॉलपेन का उपयोग कर लो।'

इवेन्ट मोनिटर व होल्टर मोनिटर

इवेन्ट मोनिटरिंग का उपयोग हृदय की अनियमित धडकनो को नापने के लिए होता है। होल्टर मोनिटर्स हृदय की विद्युत प्रक्रिया को २४ से ४८ घंटे तक की रिकोर्डिंग कैसेट के ऊपर करता है।

होल्टर मोनिटर का उपयोग पिछले ३० वर्षों से हो रहा है। यह दो

उपकरण मुख्यरूप से दो कारणों से काम में लिए जात

होल्टर इलेक्ट्रोड बाहर से छाती पर चिपकाते हैं।

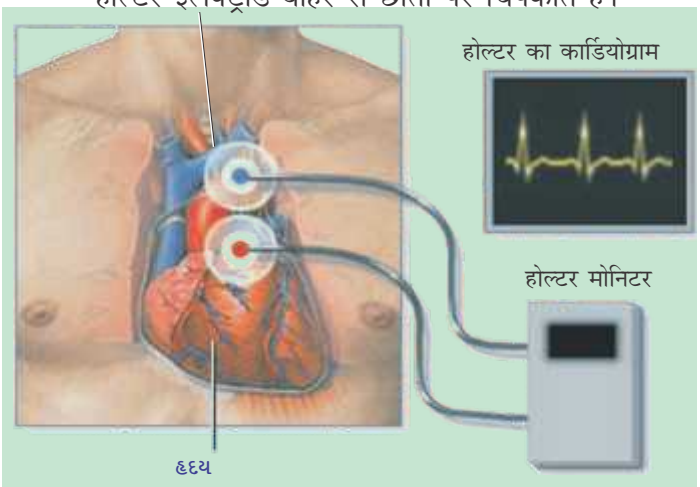

होल्टर मोनिटर : २४ घंटे इ.सी.जी. लेने की पद्धति

- `हृदय की धड़कनों को देखकर उन्हें रिकोर्ड करने के लिए।
- हृदय की धमनियों के द्वारा हृदय के स्नायुओं को अगर नियमित मात्रा में रक्त नहीं मिल रहा हो तो यह जानने के लिए।
- २४ घंटे कि जांच में मिली सभी सूचनाओं को कम्प्यूटर पर रिकोर्ड करने के लिए।

इकोकार्डियोग्राम

किसी जीवित आदमी के धड़कते हुए हृदय को देखने की कल्पना कीजिए। इसके साथ ही हृदय के अंदर के वाल्व व दीवारों की कल्पना कीजिए। जिस प्रकार पवन अपने चेहरे को स्पर्श करती है या अपनी पीठ से टकराती है इसका अनुभव हम कर सकते हैं,उसी तरह रक्त का प्रभाव अपनी तरफ आ रहा है या दूर जा रहा है इसके अनुभव करने की कल्पना कीजिए।

यह सारे अनुभव किसी भी प्रकार की काट - कूट या शस्त्र क्रिया के बिना संभव हैं क्या?

हां! यह सब कुछ संभव है इकोकार्डियोग्राम नाम की एक विचित्र जांच प्रणाली की मदद से। इस अद्भुत जांच पद्धति में हम सुन ना सकें ऐसी आवाजें (अल्ट्रासाउंड), एक हेंडल (इकोकार्डियोग्राराफी मशीन का एक साधन) के द्वारा छाती की सतह के संपर्क में रखा जाता है। जिस प्रकार किसी खादान या खंडहर में अपनी आवाज गूंजती है, उसी प्रकार ये आवाज की किरणें किसी वस्तु के साथ टकराती हैं और उसके अनुसार गूंजती है। इसलिए इसे इकोकार्डियोग्राम कहा जाता है और संक्षेप में इसे 'इको' कहा जाता है (इको मतलब गूंज)। आवाज के इस प्रतिबिंब को कम्प्यूटर के मोनिटर पर देखा जा सकता है, और कैसेट या सी.डी. पर रिकोर्ड भी किया जा सकता है। इकोकार्डियोग्राफी को 'हृदय की सोनोग्राफी भी कहा जाता है। अल्ट्रासाउंड से एक्स रे व इ.सी.जी. से हृदय के बारे में ज्यादा अच्छी व सच्ची जानकारी मिलती है।

> अनुभव की व्याख्या : एक बार की हुई भूल दोबारा करें और उसका पता पड़े उसे अनुभव कहते हैं।

> घर प्रयोग की बिजली के प्रवाह को वोल्ट में नापा जाता है जबकी हृदय के अंदर घूमती हुई बिजली के प्रवाह को मिली वोल्ट में नापा जाता है। (१ वोल्ट = १००० मिली वोल्ट)

ट्रान्स-थोरेसिक इको (टी.टी.इ.)

इस पद्धति में छाती के उपर जैली लगाकर उसके ऊपर इको प्रोब (हेन्डल जैसा साधन) घुमाकर हृदय, उसकी दिवारों की हलचल, वाल्व की हलचल आदि को देखतें हैं। इस जांच पद्धति में मुख्यरूप से हार्ट अटैक, हार्ट फेल्योर, हृदय की जन्मजात कमियां और हृदय की संपूर्ण जांच होती है।

ट्रान्स-इसोफेजियल इको (टी.इ.इ.)

ट्रान्स-इसोफेगल इको अन्ननली के माध्यम से हृदय तक पहुचाया जाता है और वहां से हृदय की जांच की जाती है।

रंगीन डोप्लर (कलर डोप्लर)

यह एक प्रकार से इकोकार्डियोग्राफी का विस्तरण है। यह भौतिक शास्त्र आधारित जांच है और ये रक्त के प्रवाह की दिशा बताता है। इको मशीन के मोनीटर के उपर लाल, नीला और पीला

JCI NABH NABH ER ACC
CIMS CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

ये तीन रंग रक्त के प्रवाह की दिशा बतलाते हैं।

कलर डोपलर के दिशा दर्शक रंग - लाल, पीला और नीला

हृदय के परदे में लीकेज, संकरे वॉल्व, छेद आदि का निदान करने में रंगीन (कलर)डॉप्लर बहुत उपयोगी साबित होता है। हृदय के खंडों की दिवालों में से रक्त प्रवाहित होता है तो यह भी डॉप्लर में दिखाई देता है।

हृदय के परदे में जन्मजात खराबी के कारण रक्त प्रवाहित होने की दिशा बदल जाती है और उससे बीमारी के विषय में जानकारी मिलती है

रेडियोआइसोटोप स्ट्रैस टेस्ट (थेलियम टेस्ट)

आपका रक्त ठीक तरह से हृदय के स्नायुओं तक पहुंचता है कि नहीं यह जानने के लिए यह टेस्ट किया जाता है। रेडियोआइस्टोप एक रेडियोएक्टिव तत्त्व है जैसे कि कार्डियोलाइट अथवा थेलियम। यह टेस्ट सामान्य रुप से एक्सरसाइज़ स्ट्रैस टेस्ट के साथ ट्रेडमिल तथा साइकिल पर किया जाता है। कई बार हृदय को कसरत के बदले दवाएं दी जाती हैं। जब मरीज अधिक से अधिक कसरत के लक्ष्य की तरफ पहुंचता है तह बहुत कम मात्रा में रेडियोआइसोटोप आपकी रक्तवाहिनी में डाला जाता है, तत्पश्चात आप केमरे के अंदर एक विशेष टेबल पर सो जाते हैं और केमरा रेडियोआइसोटोप को पहचान कर चित्र बनाता है। रेडियोआइसोटोप रक्त में से हृदय के स्नायुओं की ओर जाते है। अगर हृदय का स्नायुओं वाला भाग कसरत के समय सामान्य रक्त की मात्रा प्राप्त नहीं करें तो हृदय के उस भाग के कोष कम मात्रा में रेडियोआइसोटोप रखते हैं।

थेलियम स्केन, एक अत्याधुनिक जांच पद्धति

इसके साथ में जब रोगी का हृदय कसरत से थका हुआ नहीं होता है तब दूसरे चित्रों की श्रेणी का निर्माण किया जाता है। इन चित्रों को कसरत करने के बाद वाले चित्रो से तुलना करने पर आपके हृदय की परिस्थिति की उपयोगी जानकारी मिलती है।

हृदयरोग के निदान के लिए अन्य परिक्षण

इसके अलावा नीचे के परिक्षण भी हृदयरोग में किए जाते हैं। पर फिलहाल इनमें से कई परिक्षण कई अस्पतालो. में उपलब्ध नहीं हैं।

- डोब्युटामाइन स्ट्रेस इको
- मेग्नेटिक रेसोनन्स इमेजिंग (एम.आर.आई.)
- मेग्नेटिक रेसोनन्स एन्जियोग्राफी (एम.आर.ए.)
- मल्टीगेटेड एक्वीजिशन (एम.यू.जी.ए.स्केन)
- पोसिस्ट्रोन इमिशन टोमोग्राफी स्केन (पेट स्केन)
- सिग्नल एवरेज इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम

कोरोनरी एन्जियोग्राफी

यह प्रक्रिया हृदय के अंदर और हृदय की वाहिनियों के चित्रांकन की है, ऐसे चित्र को एन्जियोग्राम (मजाक में एन्जोयग्राम) कहते हैं। यह जांच इतनी महत्त्वपूर्ण है कि इसकी जानकारी के लिए एक पूरा अलग प्रकरण चाहिए।

कोम्पयूटराइज्ड टोमोग्राफी स्केन (सी.टी.स्केन)

कार्डियक इलेक्ट्रोन बीम (किरण) कोम्प्यूटेड टोमोग्राफी को 'अल्ट्राफास्ट सीटी' भी कहा जाता है। यह कोम्प्यूटर द्वारा संचालित हृदय का एक्स-रे स्केन है। हृदय की धमनियों में कितना केल्शियम है यह भी ये बता सकता है। सामान्य रूप से हृदय की धमनियों में केल्शियम बिल्कुल नहीं होता। एथेरोस्कलेरोसिस की क्रिया से धमनियों में धीरे - धीरे 'प्लाक' नाम की पपड़ी जमती है और धमनियां संकरी होते-होते बंद हो जाती हैं। धमनियों में जितना के ल्शियम अधिक उतनी हृदयरोग की सम्भावना अधिक। इस जांच के लिए रोगी को एक्स रे स्केनर में बिठाया जाता है और इसके बाद जल्दी से एक्स रे चित्र लिए जाते हैं। यह समस्त प्रक्रिया बहुत जल्दी से पूरी होती हा। नये ३२ से ६४ स्लाइस सी.टी. स्केन में एनजियोग्राफी भी की जा सकती है जो ९० से ९५ प्रतिशत सटीक होती है।

सौजन्य : हृदय की बात दिलसे - लेखक : डॉ. केयूर परीख

सीम्स कार्डियोलोजी

नवपरिवर्तन.... हमारी विशेषता

10th Year of CIMS

Calcified long lesion

Intravascular Lithotripsy Shockwave Balloon

Highly Calcific Artery

Stent being placed

Final Results

1ST IN INDIA

3 लगातार ट्रान्सरेडियल इन्ट्रा-वास्क्युलर लिथोट्रीप्सी (शोकवेव IVL)

नई टेक्नोलोजी ट्रान्स रेडियल ईन्ट्रावास्क्युलर लिथोट्रीप्सी (शोकवेव आईवीएल) से अत्यंत ब्लोक केल्सिफाईड कोरोनरी धमनियों की सफलतापूर्वक उपचार

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

सीम्स अस्पताल

JOINT COMMISSION INTERNATIONAL ★ QUALITY APPROVAL

Joint Commission International

The citizens of India should be proud that your organization is focusing on this most challenging goal - to continuously raise quality to higher levels.

Sincerely,

JOINT COMMISSION INTERNATIONAL ★ QUALITY APPROVAL

2ND TIME

भारत में केवल २६ मल्टी-स्पेशियालीटी अस्पताल जो गोल्ड सील प्रमाणित है ।

अहमदाबाद शहेर की एकमात्र JCI (USA)*

गोल्ड सील प्रमाणित मल्टी-स्पेशियालीटी अस्पताल

आपके विश्वास को अर्पण

अंतरराष्ट्रीय प्रमाणित गुणवत्तायुक्त और विश्वसनीय सारवार

JCI (USA) जोईन्ट कमिशन ईन्टरनेशनल - अंतरराष्ट्रीय संस्था जो विश्वभर में, गुणवत्ता और सुरक्षित मरीज़ को चिकित्सा देने के लिए अस्पतालो को प्रमाणित करते है ।

आपका संस्थान उत्तम गुणवत्ता पर खरा उतरा है व उसके लिए हमेंशा तत्पर रहता है जो की एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण लक्ष्य है । इस बात का भारत के प्रत्येक नागरिक को गर्व होना चाहिये

10th Year of CIMS

देख-भाल, सौजन्य. सहानुभूति. योग्यता

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

भारत मे अग्रेसर हृदयरोग सारवार टीम

10th TAVI डिसंबर 2019
(ट्रान्सकेथेटर अेओर्टीक वाल्व ईम्प्लान्टेशन)

Balloon Inflatable
(Hybrid) Myvalv

Self Expanding
(Supra-Annular) Evolut Valve

सर्जरी के बिना रोगग्रस्त वाल्व को बदलने की प्रक्रिया

गुजरात में सब से ज्यादा

अस्पताल में 100 % सफलता

24 X 7 मेडीकल हेल्पलाईन +91-70 69 00 00 00

सीम्स कैंसर सेन्टर, अहमदाबाद

व्यक्तिगत कैंसर ईलाज

क्योकिं... हर एक मरीज़ अलग

और उसका उपचार भी...

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26th to 30th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2019-2021 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2021
Licence to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/088/2019-21 valid upto 31st December, 2021

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2772 2771-75

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-2772 1059/1060

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices